उत्तर प्रदेश में गौ-आधारति नेचुरल फार्मिंग

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने** कहा कि **गौ-आधारति नेचुरल फार्मगि** से प्रतिएकड़ 10,000 से 12,000 रुपए की बचत होकर **किसानों की आय बढ़ सकती है।**

- उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि यदि राज्य के अधिकांश किसान इस पद्धति को अपनाएँ तो **काफी सामूहिक बचत संभव है।**

मुख्य बिंदु

- **गौ-आधारति खेती के लाभ:**
  - **इससे कृषि लागत कम होती है** और **पशुधन का संरक्षण होता है।**
  - दीर्घकाल में **मृदा, जल और मानव स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।**
- **इनपुट पर वर्तमान निर्भरता:**
- **बीज:**
  - उत्तर प्रदेश अपनी आवश्यकता का केवल आधा बीज ही उत्पादति करता है तथा शेष बीज को अन्य राज्यों, विशेषकर दक्षिणी भारत से ऊंची लागत पर आयात करता है।
- **उर्वरक:**
  - भारत **उर्वरकों**, विशेषकर **यूरिया, फॉस्फेट और पोटाश के लिये आयात पर बहुत अधिक निर्भर करता है**
  - **वर्ष** 2023-2024 में अकेले यूरिया आयात पर 2,127 करोड़ रुपए का खर्च आएगा।
    - **भारत की उच्च मांग के कारण** निर्यातक देश अक्सर कीमतें बढ़ा देते हैं।
- **गौ-आधारति नेचुरल फार्मगि की संभावनाएँ:**
  - विशेषज्ञ उर्वरक आयात पर खर्च होने वाली **विदेशी मुद्रा** को बचाने की इसकी क्षमता पर प्रकाश डालते हैं।
  - **उत्तर प्रदेश** में 2.78 करोड़ किसान और लगभग 2 करोड़ मवेशी हैं, जो गौ-आधारति खेती के लिये **एक मज़बूत आधार प्रदान करते हैं।**
    - एक गाय के गोबर और मूत्र से लगभग चार एकड़ भूमि पर खेती की जा सकती है।
- **सरकारी पहल:**
- **आत्मनिर्भर गौशालाएँ:** गौशालाओं **को गौ-आधारति नेचुरल फार्मगि के प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।**

- समर्पित विश्वविद्यालय: पारंपरिक तरीकों को आधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ एकीकृत करने के लिये नेचुरल फार्मगि (Natural Farming) विश्वविद्यालय स्थापित करने की योजना।

  वित्तीय सहयता: किसानों को तीन वर्षों में वित्तीय सहायता मिलती है, पहले वर्ष 4,800 रुपए, दूसरे वर्ष 4,000 रुपए और तीसरे वर्ष 3,600 रुपए।

  - पशु शेड और **बायोगैस संयंत्र के लिये भी अनुदान उपलब्ध है।**
- **उत्पाद विपणन: प्राकृतिक कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने** के लिये संभागीय मुख्यालयों पर समर्पित **आउटलेट स्थापित किये गए हैं।**
- **सरकार उपभोक्ता विश्वास और बाज़ार विश्वसनीयता बढ़ाने के लिये उत्पाद प्रमाणन को प्राथमिकता दे रही है।**

- जैविक उत्पादों की बढ़ती मांग:
  - **कोविड के बाद, जैविक**, क्षेत्रीय स्तर पर उत्पादति उत्पादों **की मांग अधिक है।**
  - शोध संस्थान क्षेत्रीय स्वाद वाले स्वास्थ्यवर्द्धक खाद्य विकल्पों के प्रति बढ़ती प्राथमिकता पर प्रकाश डालते हैं।

नेचुरल फार्मगि (Natural Farming)

- यह कृषि की एक ऐसी पद्धति है जो **एक संतुलित और आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का प्रयास करती है** जिसमें सिंथेटिक रसायनों या

आनुवंशिक रूप से संशोधित जीवों के उपयोग के बिना फसलें उगाई जा सकें।
    - कृत्रिम उर्वरकों और कीटनाशकों जैसे कृत्रिम इनपुट पर निर्भर रहने के बजाय, प्राकृतिक किसान मृदा स्वास्थ्य को बढ़ाने और फसल विकास को समर्थन देने के लिये **फसल चक्र, अंतरफसल और खाद बनाने जैसी तकनीकों पर भरोसा करते हैं।**

- प्राकृतिक कृषि पद्धतियां **प्रायः पारंपरिक ज्ञान और प्रथाओं पर आधारित होती हैं तथा इन्हें स्थानीय परिस्थितियों** और संसाधनों के अनुरूप अनुकूलित किया जा सकता है।
- नेचुरल फार्मिंग का लक्ष्य **स्वस्थ, पौष्टिक भोजन का उत्पादन करना है** जो सतत् और पर्यावरण के अनुकूल हो।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/cow-based-natural-farming-in-up